शुक्रवार
25 अगस्त 2023

पृष्ठ 4
खतरनाक होती है काली खांसी, इन घरेलू उपायों से मिलेगा आराम

पृष्ठ 5
खतरों के खिलाड़ी से टेलीविजन की दुनिया का गुर सीखाः डेजी शाह

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 198
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

नारी की करुणा अंतर जगत का उच्चतम विकास है, जिसके बल पर समस्त सदाचार ठहरे हुए हैं।

– जयशंकर प्रसाद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

वाडिया भू विज्ञान संस्थान की कई शहरों व क्षेत्रों की स्टडी

अनियोजित विकास से विनाश के कगार पर पहाड़

विशेष संवाददाता

देहरादून। मानसूनी सीजन में हिमालयी राज्यों में बढ़ती भू धसाव और भूस्खलन की घटनाओं ने पहाड़ वासियों की मुसीबतें को बढ़ा दिया है। लोग अपनी जान माल की सुरक्षा को लेकर अत्यंत ही चिंतित है। भू विज्ञानिको को इस चिंता ने परेशानी में डाल रखा है। वाडिया भू विज्ञान संस्थान की टीम द्वारा भू धसाओं और भूस्खलन के मूल कारणो को तलाशने की कोशिश की गई है। इसके निष्कर्ष में पहाड़ पर हो रहा अनियोजित विकास पहाड़ के विनाश का अहम कारण बताया गया है।

❑वहन क्षमता से अधिक निर्माण भू धसाव और भूस्खलन का कारण

वाडिया भूविज्ञान संस्थान के निदेशक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संस्थान की टीम द्वारा उन प्रभावित शहरों और क्षेत्रों में सर्वे किया गया है जहां अधिक भू धसाव व भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं।

उन्होंने बताया है कि हमने मसूरी, नैनीताल, भागीरथी व गोरी गंगा बेसिन क्षेत्र का स्टडी कार्य पूरा कर लिया है तथा इसकी एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र ही सरकार को सौंपी जाएगी। सरकार इस रिपोर्ट के आधार पर यह तय करेगी कि किस शहर की वहन क्षमता क्या है? तथा कौन सा शहर रहने लायक है और कौन सा नहीं है। किस क्षेत्र की अधिकतम आबादी क्या होनी चाहिए तथा किस शहर में कितनी अधिकतम ऊंचाई के भवनो का निर्माण होना चाहिए।

उनका कहना है कि राज्य सरकार सिटी प्लानर्स के साथ इस मुद्दे पर चर्चा के बाद शहरी विकास की नीतियों का निर्धारण कर सकती है। उनका मानना है कि वहन क्षमता से अधिक आबादी व भवनों का निर्माण, वृक्षों और पहाड़ों का अंधाधुंध कटान इस समस्या का मूल कारण है जो आज पहाड़ के विनाश का कारण बनता जा रहा है। हमें किसी भी स्थान, मिट्टी और उनकी प्रवृत्ति के आधार पर ही विकास का ढांचा तैयार करना होगा। तभी इस विनाश से बचा जा सकता है। उत्तराखंड में जोशीमठ ही नहीं चमोली, टिहरी और नैनीताल तथा उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग के कई क्षेत्र व सैकड़ो गांवों पर भू धसाव व भू स्खलन का खतरा बना हुआ है। जिनका विस्थापन किया जाना अनिवार्य हो चुका है।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। बागेश्वर में हो रहा विधानसभा उपचुनाव हर दिन रोचक होता जा रहा है, यहां भाजपा और कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता जहां प्रचार मे जुटे हैं वहीं आज पुलिस द्वारा बेरोजगार संगठन के अध्यक्ष बॉबी पवार को बाबा बागनाथ मंदिर जाते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। बॉबी पवार बागेश्वर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कुछ मुद्दे उठाना चाहते थे। कांग्रेस ने बॉबी पवार की गिरफ्तारी पर कड़ी आलोचना व्यक्त की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा इस गिरफ्तारी पर विधानसभा उपचुनाव की आचार संहिता के उल्लंघन का हवाला दिया जा रहा है। वहीं बॉबी पवार के साथियों का कहना है कि बॉबी पवार केवल बाबा बागनाथ के दर्शन के लिए यहां पहुंचे थे लेकिन पुलिस के द्वारा उन्हें अचानक गिरफ्तार कर लिया गया है । जबकि पुलिस अधिकारी अभी इस पर कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि आज दोपहर 12 बजे कोतवाली में बढ़ती हलचल को देखते हुए पुलिस ने बॉबी पवार को जिला न्यायालय भेज दिया है।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष पंवार की

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

अजीत पवार अभी भी पार्टी के नेता हैं, पार्टी में कोई विभाजन नहीं हैः पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि उनके भतीजे अजीत पवार अभी भी उनकी पार्टी के नेता हैं और पार्टी में कोई विभाजन नहीं है। पवार की यह टिप्पणी उनकी बेटी और राकांपा सांसद सुप्रिया सुले के इसी तर्ज पर दिए गए बयान के एक दिन बाद आई है। पवार बारामती में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि अजित पवार हमारे नेता हैं। इसमें कोई विवाद नहीं है। विभाजन का क्या अर्थ है? किसी पार्टी में विभाजन कब होता है? अगर कोई बड़ा समूह राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी से अलग हो जाता है तो यह टूट होती है। अगर कुछ लोगों ने अलग रुख अपनाया है तो लोकतंत्र में यह उनका अधिकार है। पवार ने कहा कि अगर उन्होंने अलग रुख अपनाया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि पार्टी टूट गयी है। यह उनका निर्णय है। गुरुवार को सुप्रिया सुले ने कहा था- पार्टी बिल्कुल भी विभाजित नहीं हुई है, कुछ ने भाजपा के साथ जाने का अलग रुख अपनाया है। हमने उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की है।

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा मामले में दर्ज सीबीआई के केस को असम किया ट्रांसफर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर हिंसा के जिन मामलों की जांच सीबीआई कर रही है, उनकी सुनवाई पड़ोसी राज्य असम में होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस इन मामलों के निपटारे के लिए ट्रायल जजों को नियुक्त करेंगे।

सर्वोच्च अदालत में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने मणिपुर हिंसा के विषय में एक साथ कई निर्देशों को पारित करते हुए आदेश दिया कि आरोपियों की पेशी, रिमांड, न्यायिक हिरासत और इससे संबंधित सारी न्यायिक प्रक्रियाएं गुवाहाटी के कोर्ट में ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। पीठ

ने सीबीआई मामलों से संबंधित केस में पीड़ितों, गवाहों और अन्य लोगों को इस बात की छूट दी है कि वो चाहें तो गुवाहाटी कोर्ट में शारीरिक रूप से भी उपस्थित हो सकते हैं या अगर वो चाहें तो ऑनलाइन उपस्थिति भी दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए कोर्ट ने असम सरकार और मणिपुर सरकार को आदेश दिया है कि वो गुवाहाटी अदालत में ऑनलाइन माध्यम से सीबीआई मामलों की सुनवाई के लिए हर जरूरी सुविधा मुहैया कराये। मणिपुर हिंसा में 10 से अधिक ऐसे मामले हैं, जिनकी जांच के लिए सीबीआई को नियुक्त किया गया है। उनमें उन दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित मामला भी शामिल है, जिनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस आदेश से पूर्व शीर्ष अदालत ने 21 अगस्त को मणिपुर में जातीय हिंसा के पीड़ितों के राहत और पुनर्वास की निगरानी के लिए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस गीता मित्तल की अगुवाई में एक समिति की नियुक्त की थी। मालूम हो कि बीते 3 मई को मणिपुर में पहली बार जातीय हिंसा भड़की थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

सरकार का युवाओं पर फोकस

उत्तराखंड की धामी सरकार द्वारा इन दिनों युवाओं पर विशेष फोकस किया जा रहा है। सीएम मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के बाद अब कल हुई कैबिनेट बैठक में देवभूमि उद्यमिता योजना और सीएम उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजनाएं शुरू किए जाने के फैसले से युवाओं को कितना लाभ पहुंचा पाएंगे यह तो आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन सरकार ने अपने इन फैसलो के जरिए प्रदेश का ध्यान अपनी ओर खींचने और उन्हें यह संदेश देने का प्रयास जरूर किया है कि सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित है। दरअसल राज्य गठन के बाद अगर सूबे में किसी के साथ बड़ा धोखा या छल हुआ है तो वह युवाओं के साथ ही हुआ है जिन्हें नौकरी देने के नाम पर ठगा गया है। राज्य में हुई तमाम भर्तियों में जितने व्यापक स्तर पर धांधली हुई उसका भंडाफोड़ होने के बाद सूबे के युवाओं में जिस तरह का गुस्सा व नाराजगी देखी गई है उसे खत्म करने के लिए भर्तियों में धांधली करने वालों के खिलाफ की गई कार्यवाही के बाद भी युवा व छात्र अभी तक संतुष्ट नहीं है उनका मानना है कि अब सरकार चाहे जो भी करें उनका करियर तो खराब हो ही गया है। केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई कौशल विकास योजना का भी कोई खास लाभ सूबे के युवा बेरोजगारों को नहीं मिल सका है। इसके ऊपर से हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा करने वाली सरकार में बैठे मंत्री और नेताओं द्वारा यह कहकर उनका उपवास किया जाना कि पकोड़ियां तलना भी रोजगार है, जले पर नमक छिड़कने जैसा ही है। अगर युवाओं को पकौड़ियां तलकर ही आजीविका चलानी है तो फिर पढ़ाई लिखाई में लाखों रुपए खर्च करने या अपने जीवन के बेस कीमती 10-15 साल का समय खराब करने की क्या जरूरत थी। खैर जो हुआ सो हुआ अब सरकार दावा कर रही है कि उसकी उद्यमिता योजना और शोध प्रोत्साहन योजनाएं युवा कल्याण में मील का पत्थर साबित होगी। कल कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। तथा शोध को अंजाम तक पहुंचाने के लिए सरकार 18 लाख तक की आर्थिक मदद देगी। योजना के तहत हर साल तीन हजार युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार स्वरोजगार लिए 100 प्रोजेक्ट तैयार करेगी जो विभिन्न क्षेत्रों के होंगे जिससे युवा बेरोजगारों को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। सवाल योजनाएं बनाने का नहीं है बड़ा सवाल है किसी भी योजना का धरातल पर पारदर्शिता और ईमानदारी से उतारे जाने का है। सरकार की सोच और नीतियां तो सही है लेकिन यह लाभार्थियों तक कैसे पहुंचती है? और उनका कितना फायदा होता है। कल हुई कैबिनेट की बैठक में युवाओं और बेरोजगार छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षा देने के लिए आने-जाने के किराए में भी 50 फीसदी की छूट का निर्णय लिया गया है। यह छूट अगर 100 फीसदी होती तब इन युवाओं को इसका पूरा फायदा मिल सकता था। लेकिन कुछ न होने से बेहतर है कई बार इन बेरोजगार छात्रों के पास किराए के लिए भी पैसे नहीं होते हैं। इसके साथ ही युवाओं के कल्याण से जुड़े एक और मुद्दे पर सरकार ने फैसला लेते हुए खेलों में राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का जो निर्णय लिया है वह स्वागत योग्य है। सभी अन्य राज्यों में इस तरह की व्यवस्था है जिसका दोहरा फायदा मिलता है एक तरफ खेलों को प्रोत्साहन मिलता है तो वहीं दूसरी ओर खेलो पर ध्यान देने वाले युवाओं के लिए रोजगार का रास्ता आसान हो जाता है। भले ही सरकार चुनावी रणनीति या फिर भर्ती घोटाले के दंश के कारण ऐसे फैसले ले रही हो लेकिन यह युवाओं के हित में जरूरी है।

यूपीसीएल में अभियंताओं के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया हो शुरूः मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह ने कहा कि यूपीसीएल में अभियंताओं के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होनी चाहिए। आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह ने कहा कि यूपीसीएल (उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लि.) में वर्तमान में अवर अभियंता के 129 पद तथा जनपद के 5 पद रिक्त चले आ रहे हैं, जिनसे कुछ पद पदोन्नति के माध्यम से भरे जाने हैं तथा कुछ पद सीधी भर्ती के माध्यम से भरे जाने हैं, लेकिन अभी तक भर्ती/ पदोन्नति प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई, जिसकी वजह से डिप्लोमा/ डिग्री धारी युवाओं के साथ-साथ पदोन्नति के इंतजार में बैठे कार्मिक भी परेशान हैं। मोर्चा रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कराने को लेकर शीघ्र ही शासन में दस्तक देगा।

कथा नूनं वां विमना उप स्तवद्युवं धियं ददथुर्वस्यइष्टये।
ता वां विश्वको हवते तनूकृथे मा नो वि यौष्टं सख्या मुमोचतम्।।
(ऋग्वेद ८-८६-२)

जिसका मन विभिन्न दिशाओं में भागता है वह भला किस प्रकार प्राण-साधना कर सकता है ? कैसे भला वह एकाग्रता के बिना अपनी प्राण और अपान की क्रियाओं पर नियंत्रण रख सकता है ? प्राण और अपान दोनों हमारे मित्र हैं इनके बिना बुद्धि और स्वास्थ्य की उन्नति संभव नहीं हो सकती।

प्रवेश तिथि का विस्तारण 26 अगस्त तक किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने से वंचित छात्रों के लिए खुशखबरी है कि उनके प्रवेश के लिए अंतिम तिथि को 26 अगस्त तक विस्तारित किया गया है। इस आशय की जानकारी धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार उभान ने दी है।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व समर्थ पोर्टल पर प्रवेश पंजीकरण न करवा पाने वाले छात्रों के लिए उत्तराखंड शासन एवं उच्च शिक्षा निदेशालय ने प्रवेश तिथि को विस्तारित करते हुए अंतिम तिथि 19 अगस्त तक निर्धारित की थी।

प्रदेश स्तर पर गत सप्ताह से भारी वर्षा के कारण विद्युत, सड़क, पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति में बाधा के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है जिस कारण उच्च स्तर से प्रवेश तिथि का विस्तारण 26 अगस्त तक किया गया है।

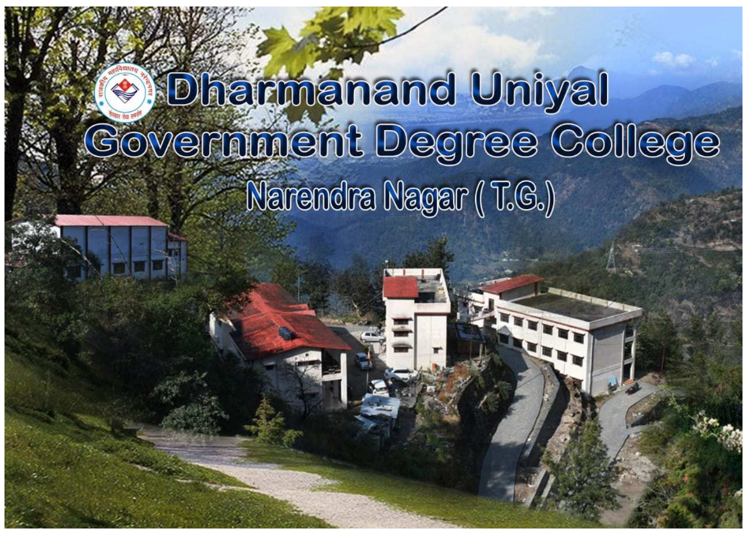

कॉलेज मीडिया समिति की संयोजक डॉक्टर विक्रम सिंह बर्त्वाल ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर में स्नातक प्रथम वर्ष के लिए बीए, बीकॉम, बीएससी-(बायो ग्रुप,मैथ ग्रुप) बीएससी -गृह विज्ञान, टूरिज्म, पत्रकारिता (मासकाम), बीबीए तथा बीसीए जैसे पाठ्यक्रमों में अभी भी काफी सीटें प्रवेश के लिए रिक्त है, इच्छुक अभ्यर्थी 26 अगस्त सांय 5:00 बजे से पूर्व ऑफलाइन पंजीकरण ,काउंसलिंग एवं प्रवेश पुष्टि जैसी समस्त औपचारिकताओं को पूरा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं।

100 लीटर कच्ची शराब सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब बनाने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 100 लीटर कच्ची शराब, भारी मात्रा में लाहन व कच्ची शराब बनाने के लिए उपयोग में लाये जा रही भट्टी सहित अन्य उपकरण भी बरामद किये गये है।

मामला थाना पथरी क्षेत्र के जंगलों का है। मिली जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना पथरी पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम दिनारपुर के जंगलों में कुछ लोग कच्ची शराब बनाने का कारोबार कर रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर दो लोगों को हिरासत में ले लिया। जिनके पास से 100 लीटर कच्ची शराब व भट्टी तथा अन्य उपकरण भी बरामद किये गये है। पुलिस ने मौके पर ही लगभग 1000 लीटर लाहन नष्ट किया गया। पूछताछ मे उन्होने अपना नाम राजेंद्र पुत्र सतपाल व ओमपाल उर्फ सोनू पुत्र हरफूल निवासी ग्राम दिनारपुर पथरी बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

डम्पर खाई में गिरा एक की मौत, एक गम्भीर घायल

उत्तरकाशी (हसं)। सड़क दुर्घटना में देर रात एक वाहन के खाई में गिर जाने से चालक सहित दो व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया वहीं दूसरे का उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर देर रात लगभग 11.30 बजे हर्षिल से झाला की ओर आ रहा एक डम्फर वाहन हर्षिल से 2 किमी. झाला के मध्य अनियंत्रित होकर लगभग 50 मीटर खाई में जा गिरा और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वाहन में चालक सहित 2 लोग सवार थे जो गम्भीर रूप से घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और उन्हे रेस्क्यू कर आर्मी चिकित्सालय हर्षिल में ले जाया गया हैं। जहाँ चिकित्सक द्वारा 1 व्यक्ति को मृत घोषित किया गया जबकि दूसरे की हालते गम्भीर बनी हुई है। चिकित्सकों द्वारा घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार करने के पश्चात एम्बुलेंस के माध्यम हायर सेंटर रेफर किया गया ओर एवं मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल में भेजा जा रहा है। मृतक का नाम भरत सिंह(31) पुत्र जीतवर सिंह निवासी ग्राम झाला, उत्तरकाशी व घायल का नाम राज (35) पुत्र प्रेमकान्त निवासी ग्राम बगियाल गांव, पाटा संग्राली, उत्तरकाशी बताया जा रहा है।

लड़की की मौत पर चिकित्सक के खिलाफ केस दर्ज

देहरादून (सं)। लडकी की मौत पर पुलिस ने चिकित्सक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चमनपुरी निवासी उर्मिला देवी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पुत्री कुमारी जोती उम्र 12 वर्ष चिकित्सा उपचार हेतु डा. अमरजीत बिजली घर चौक ग्रीनपार्क निरजनपुर देहरादून के क्लीनिक मे गई थी। डाक्टर की लापवाही के कारण इन्जेकशन लगाते ही उसकी पुत्री का निधन हो गया। पुलिस ने चिकित्सक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्क्रेब के नाम पर ठगे पौने दो करोड़ रुपये, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। स्क्रेब (कबाड) बेचने के नाम पर पौने दो करोड रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती संतोष उपाध्याय प्रोपराइटर सार्थक इन्टरप्राइजेज, पंजाब कालोनी, ब्राह्मणवाला चौक, थाना-पटेल नगर ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी फर्म लोहे का स्क्रेब विभिन्न कम्पनियों से खरीदने-बेचने का कारोबार करती है। फरवरी 2023 में उसकी मुलाकात मुजिबुर रहमान नासिर अली उर्फ जावेद नामक व्यक्ति से हुई तथा उक्त व्यक्ति द्वारा बताया गया कि पंजाब में लुधियाना के पास ग्राम साहनेवाल में एक प्लान्ट स्क्रेब रेट पर बेचा जा सकता है। उसने अपने कर्मचारियों से प्लान्ट का सर्वे कराया और प्लान्ट का नाम, पता पूछा तथा उसके कर्मचारी को वल्लभ स्टील नार्थ प्रा.लि., ग्राम साहनेवाल, लुधियाना, पंजाब का विजिट / स्थलीय निरीक्षण कराया गया तो उसको जावेद द्वारा बताया गया कि इस प्लान्ट का स्क्रेब किशन इलैक्ट्रिक स्टोर, गिल रोड, लुधियाना के मालिक वरूण कोचर के द्वारा खरीदा हुआ है और वरूण कोचर ही इसे बेचना चाहता है। इसके उपरान्त जोवद द्वारा प्रार्थिनी की मुलाकात वरूण कोचर से करायी गई जिसमें वरूण कोचर द्वारा प्रार्थिनी के साथ उक्त स्क्रेब का सौदा 38 रूपये प्रति किलो में तय पाया गया है, जो कि पूरा सौदा वरूण कोचर व जावेद ने मिलकर दिखाया था। जिसके बाद उसने वरूण कोचर के खाते में डेढ करोड रूपये भेज दिये। उसके बाद भी वरूण कोचर ने उससे रूपयों की मांग की तो उसने उसको ओर रूपये भेज दिये जोकि पूरे एक करोड 84 लाख रूपये उसने वरूण कोचर के खाते में भेजे। लेकिन उसके बाद भी वरूण कोचर उसके साथी जावेद, राहुल जैन व मेघा जैन ने ना तो उसको स्क्रैब दिया और ना ही उसके पैसे वापस किये यहां तक कि उसके दो ट्रक भी जो स्क्रैब लेने गये थे उनको बंधक बना लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ब्रिक्स की शिखर बैठक

उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले ब्रिक्स के बाहर के कम-से-कम 23 देशों ने इस समूह से जुड़ने की अर्जी दी है। कयास गया है कि नए रूप में ब्रिक्स अगर एक स्वायत्त व्यापार व्यवस्था कायम करने की तरफ बढ़ा, तो उससे मौजूदा व्यवस्थाएं कमजोर होंगी।

पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- के समूह ब्रिक्स की शिखर बैठक को लेकर जैसी जिज्ञासा अभी देखने को मिल रही है, वैसा 15 साल के इस समूह के इतिहास में कभी नहीं हुआ था। पश्चिमी मीडिया में महीनों से यह चर्चा सुर्खियों में रही है कि मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहानेसबर्ग में शुरू हुए तीन दिन के शिखर सम्मेलन से दुनिया पर पश्चिमी वर्चस्व के लिए एक नई चुनौती खड़ी होगी। हालांकि ब्रिक्स देशों ने लगातार यह स्पष्टीकरण दिया है कि यह समूह महज आपसी आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने का मंच है और इसे हार-जीत की सोच के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, लेकिन पश्चिमी मीडिया में इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है। चूंकि जोहानेसबर्ग में एक बड़ा मुद्दा ब्रिक्स समूह के विस्तार है, इसलिए पश्चिमी देशों के कान खड़े हुए हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले ब्रिक्स के बाहर के कम से कम 23 देशों ने इस समूह से जुड़ने की अर्जी दी है। इनमें सऊदी अरब जैसा धनी और तेल समृद्ध देश भी शामिल है।

इससे यह कयास गया है कि नए रूप में ब्रिक्स अगर एक स्वायत्त व्यापार एवं मौद्रिक व्यवस्था कायम करने की तरफ बढ़ा, तो उससे दूसरे विश्व विश्व युद्ध के बाद से चल रही व्यवस्थाएं कमजोर होंगी। बेशक उन व्यवस्थाओं पर अमेरिका का नियंत्रण रहा है। इसके अलावा ब्रिक्स की अपनी करेंसी शुरू करने की चर्चा भी रही है, हालांकि अब संकेत हैं कि यह मुद्दा इस बार एजेंडे पर नहीं है। इसके बजाय ब्रिक्स देश आपसी मुद्राओं में अपने अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के भुगतान को बढ़ावा देने पर जोहानेसबर्ग में विचार करेंगे। यह चलन जितना बढ़ेगा, निर्विवाद रूप से उससे अमेरिकी डॉलर का दबदबा कमजोर होगा। यह भी निर्विवाद है कि ब्रिक्स के भीतर चीन की एक प्रभावशाली उपस्थिति है। इस कारण विस्तृत होता ब्रिक्स मंच चीन का प्रभाव रोकने की पश्चिम की कोशिश के विपरीत दिशा में जाएगा। तो कुल मिला कर इस पृष्ठभूमि के बीच ब्रिक्स शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है। लाजिमी है कि वहां होने वाली चर्चाओं और उनके संभावित परिणामों पर दुनिया की निगाह टिकी हुई है।(आरएनएस)

खड़गे की कमेटी पर सोनिया की छाप

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की बनाई कार्य समिति पर सोनिया गांधी की स्पष्ट छाप दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि सोनिया की कांग्रेस की वापसी हो गई है, जिसमें कुछ नए सदस्य इसलिए जगह पा गए हैं क्योंकि वे राहुल गांधी या प्रियंका गांधी

वाड्रा के करीबी हैं और उनके प्रति निष्ठावान हैं। अगर कोई आंख बंद करके सोनिया गांधी की दो दशक पुरानी टीम को याद करे तो ज्यादातर चेहरे खड़गे की टीम में भी दिखाई देंगे। पदेन सदस्यों को छोड़ दें जैसे पूर्व अध्यक्ष सोनिया व राहुल गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी तो 39 सदस्यों की मुख्य कमेटी और विशेष आमंत्रित व स्थायी आमंत्रित सदस्यों में लगभग सारे पुराने चेहरे दिखेंगे।

खड़गे की कार्य समिति में ऊपर से नाम पढ़ना शुरू करें तो एके एंटनी का नाम दिखेगा, अंबिका सोनी और दिग्विजय सिंह का नाम दिखेगा, मुकुल वासनिक और आनंद शर्मा का नाम दिखेगा, मीरा कुमार और पी चिदंबरम का नाम दिखेगा, अजय माकन और कुमारी शैलजा का नाम दिखेगा, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश का नाम दिखेगा। वह तो अच्छा हुआ कि खड़गे ने 23 की जगह कार्य समिति में 39 सदस्य बनाए अन्यथा जो थोड़े बहुत नए लोग इसमें दिख रहे हैं उनको जगह नहीं मिल पाती। इसी तरह स्थायी आमंत्रितों की सूची में वही वीरप्पा मोईली, वही हरीश रावत, पवन बंसल, मोहन प्रकाश, बीके हरिप्रसाद, रमेश चेन्निथला, प्रतिभा सिंह, टी सुब्बीरामी रेड्डी आदि मौजूद हैं। वहां भी नए लोगों को इसलिए जगह मिल पाई क्योंकि विशेष आमंत्रित श्रेणी में 32 सदस्यों को रखा गया है। अगर उनकी संख्या कम होती तो नए लोगों को छोड़ना ही पड़ता। (आरएनएस)

चैरी के चमत्कारी लाभ जिनसे अनजान है आप!

चैरी में मादक सुगंध के साथ एक सुंदर फल है। एक शोध के अनुसार हर चार में से एक व्यक्ति या कहें 25 प्रतिशत लोग इंसोनमिया स्लीपलेसनेस के शिकार हैं और हर पांचवें व्यक्ति को रात में पांच घंटे से ज्यादा नींद ना आने की प्रॉब्लम हो रही है इसी रिसर्च में यह तथ्य भी सामने आए हैं कि चैरी खाने या जूस पीने से व्यक्तियों को अच्छी नींद आती है। चैरी खट्टा-मीठा फल है, जो बहुत टेस्टी है। प्रोटीन और विटामिन से भरपूर यह फल अच्छी नींद के साथ हर उम्र के लोगों के लिए लाभदायक होती है। चेरी या उसका जूस इनटेक करने वाले व्यक्ति को लगभग 17 मिनट ज्यादा नींद आती है।

आप चाहे वर्किंग वूमन हों चाहे हाउसवाइफ अगर आप इन बातों पर विशेष ध्यान दें रोज चैरी के सेवन से आप स्फूर्तिवान, ताजगीपूर्ण और फ्रेश दिख सकती हैं।

चैरी त्वचा को पोषण देती है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन सूरज की यूवी किरणों से त्वचा की रक्षा करने में मदद करता है। साथ ही ड्राय स्किन पर चेरी का पेस्ट कमाल का काम करता है। चैरी के अम्लीय तत्व मृत त्वचा की कोशिकाओं से निजता दिलाने में मदद करती है। इससे त्वचा सॉफ्ट और चमकदार हो जाती है।

अच्छी सेहत के लिए सुकूनभरी नींद बहुत जरूरी है। आधुनिक दौर में जिस तरह की बिजी लाइफ स्टाइल, वर्क लोड के बीच प्रॉपर नींद लेना हर वर्ग के लिए मुश्किल होते जा रहा है, वहीं कई समस्याएं मधुमेह, ब्लडप्रैशर, नींद न आना वगैरह खास है।

वहीं चैरी दिल की बीमारियों में काफी मददगार साबित होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की बडी मात्रा होते हैं।

नींद की गोली लेने के कई साइड इफेक्ट हैं, वहीं चैरी प्राकृतिक गुण समाएं हैं। इसका कोई नुकसान भी नहीं है। सुबह-शाम एक गिलास शुगरलेस चेरी जूस पीने वाले लोगों को सुकूनभरी नींद आती है।

यह समस्या एक्जाम टाइम में स्टूडेंट्स के बीच भी आम होती है। इसलिए डॉक्टर्स-चैरी खाने की सलाह देते हैं।

महकती सांसों के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

चेहरे की सुंदरता काफी हद तक हमारी स्माइल पर निर्भर करती है और हमारी स्माइल को सुंदर बनाते हैं हमारे दांत।

अगर आपके दांत पीले या भद्दे होते हैं तो चेहरा कितना ही खूबसूरत क्यों ना हो आपका आकर्षण कम हो ही जाता है। साथ ही सांसों की दुर्गंध से मन खराब होता है। यहां जानें, दांतों का पीलापन और सांसों की दुर्गंध दूर करने के आसान और घरेलू तरीके...

कोयले से मंजन करना, जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा कि आखिर काला कोयला दांत कैसे चमका सकता है? लेकिन सच्चाई यही है कि यह आपके दांत मोतियों की तरह चमका सकता है। पता कीजिए पहले गांवों में कोयले के चूर्ण से ही दांत साफ किए जाते थे। आप बाजार से लकड़ी का जला हुआ कोयला ला सकते हैं और इसका चूर्ण बनाकर दांतों को चमका सकते हैं।

नमक में सरसों का तेल मिलाकर इस मिक्सर से सुबह के वक्त और रात को सोने से पहले मंजन करें। नमक और सरसों तेला का यह मिश्रण कुछ ही दिनों के इस्तेमाल से आपके दांतों चमक बढ़ा देगा।

नींबू में साइट्रिक एसिड होता है, जो सफेद चीजों की चमक बढ़ाने का काम करता है। साथ ही नींबू से सांसों की दुर्गंध दूर होती है। आप दांतों पर नींबू का छिलका हर रोज दिन में दो बार करीब १०-१० मिनट के लिए रगड़ेंगे तो आपको फायदा जरूर होगा।

गले में खराश और छाले से हैं परेशान, गरारे से मिलेगा आराम

बदलते मौसम के साथ गले में खराश और खांसी की समस्या होती है, जो थोड़े इलाज करने के बाद सही हो जाती है. लेकिन मुंह से बदबू आना ऐसी समस्या है, जिसके चलते आपको लोगों के बीच बेज्जत होना पड़ता है. गले में खराश, सूखी खांसी, बलगम, मुंह की बदबू से लेकर मसूड़ों में सूजन की परेशानी से निपटने का एक तरीका है और वह है गरारे यानी गार्गल. यह मुंह और दांतों के बीच फंसा खाना निकाल देता है, कैविटी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मार सकता है और तुरंत सांसों को ताजा कर करता है. गरारे करना मुंह की स्वच्छता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

गरारे करने से गले में मौजूद बैक्टीरिया द्वारा बनाया जाने वाला एसिड कम होता है. इन्फेक्शन में गरारे करने से संक्रमण की गंभीरता कम होती है और लक्षणों में आराम मिलता है. यूं तो गरारे के ढेरों फायदे हैं, लेकिन इसे अक्सर अनदेखा या गलत तरीके से किया जाता है. सही ढंग से गरारे न करने पर जो लाभ होना चाहिए वह नहीं होता है. इन स्टेप्स को फॉलो कर सही तरीके से इस तरह करें गरारे...

*गरारे करने के लिए एक अलग गिलास रखें. पानी भरने के लिए कई लोग हमेशा हथेलियों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन गिलास का उपयोग करना अधिक सुविधाजनक है, खासकर यदि गरारे करने वाले मिश्रण या माउथवॉश से करना चाहते हैं.

*ठंडा पानी दांतों की संवेदनशीलता का कारण बन सकता है और गर्म पानी मुंह में जलन पैदा कर सकता है. गुनगुना पानी सबसे अच्छा काम करता है. इसमें नमक या अन्य सामग्री मिलाई जा सकती है.

*यदि गले में खराश या मसूड़े की सूजन है, तो गरारे करने वाले मिश्रण की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं. यह प्रभावी रूप से मुंह के बैक्टीरिया के विकास को भी रोक सकता है.

*नमक एक आजमाया हुआ प्राकृतिक कीटाणुनाशक है. गर्म पानी में एक चम्मच नमक भी डाल सकते हैं और इसके साथ गरारे कर सकते हैं. नमक का पानी गले के ऊतक में मौजूद पानी को निकालता है और गले की समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद करता है.

*बेकिंग सोडा खराब सांस और प्लाक बिल्ड-अप के लिए एक और आजमाया हुआ उपाय है. गरारे करने से पहले गुनगुने पानी में एक छोटी चुटकी बेकिंग सोडा डालें. अब मिश्रण तैयार है. इसे धीरे-धीरे तब तक लें जब तक कि मुंह में पर्याप्त तरल न हो जाएं.

*अब अपने मुंह के एक तरफ से दूसरे हिस्से तक पानी को सावधानी से घुमाएं. याद रखें कि इसे आगे और पीछे भी घुमाएं. अपने गाल की मांसपेशियों को अंदर और बाहर धकेलें और अपनी जीभ को अपने मुंह के हर कोने में घुमाएं ताकि हर जगह तरल जाए.

*गले में खराश की स्थिति में अपना सिर थोड़ा टेढ़ा करें, जब तक कि तरल मुंह, टॉन्सिल और यूवुला (मुंह के पीछे की ओर जीभ पर लटकते ऊतक का मांस का टुकड़ा) न छुए जाए. अपना मुंह खोलें और एक तेज आवाज करें. कंपन ले कर पीछे पानी के बुलबुले बना देगा, दर्द को शांत करेगा और इसे तरल की एक पतली परत के साथ कोटिंग करेगा.

*२०-३० सेकंड के लिए अपने मुंह में पानी भरने के बाद सावधानी से पानी बाहर थूक दें. यदि आवश्यक हो तो प्रक्रिया को दोहराएं. ब्रश करने और फ्लॉस करने के बाद ताजा सांस और स्वस्थ दांतों के लिए रोजाना थोड़ा गरारा करें.

अस्वीकरण : इस लेख में दी गयी जानकारी कुछ खास स्वास्थ्य स्थितियों और उनके संभावित उपचार के संबंध में शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए है। यह किसी योग्य और लाइसेंस प्राप्त चिकित्सक द्वारा दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवा, जांच, निदान और इलाज का विकल्प नहीं है। यदि आप, आपका बच्चा या कोई करीबी ऐसी किसी स्वास्थ्य समस्या का सामना कर रहा है, जिसके बारे में यहां बताया गया है तो जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करें।

मूडीज ने आगाह किया

अर्थव्यवस्था के विकास के जो अनिवार्य पहलू हैं, उनमें सामाजिक शांति, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अवसर, कानून के राज का पालन, और नियम-कायदों पर अमल सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं का निष्पक्षता से काम करना शामिल हैं। इनके बिना अर्थव्यवस्था के विकास की एक भी मिसाल नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडी'ज ने सटीक चेतावनी दी है। जिस समय भारत सरकार ने अर्थव्यवस्था की समझ को जीडीपी वृद्धि तक सीमित कर रखा है, मूडी'ज ने कहा है कि विश्व में सबसे तेज आर्थिक वृद्धि के मौजूदा ट्रेंड के लिए भविष्य में जोखिम बढ़ सकते हैं। इसके कारण राजनीतिक हैं। इन पंक्तियों पर गौर कीजिए: 'सिविल सोसायटी और राजनीतिक असहमति के दायरे में कटौती के साथ-साथ बढ़ रहा सांप्रदायिक तनाव सियासी जोखिम और संस्थानों की गुणवत्ता की कमजोर तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है।' मूडी'ज ने कहा है कि हालांकि बढ़े राजनीतिक ध्रुवीकरण से सरकार के अस्थिर होने की संभावना नहीं है, लेकिन बढ़ रहे राजनीतिक तनाव से जनोत्तेजक नीतियों के कारण बढ़ रहे खतरों का संकेत मिलता है। ऐसे संकेत क्षेत्रीय और स्थानीय प्रशासन के स्तरों पर भी है। यह स्थिति उस समय पैदा हुई है, जब गरीबी, आय की विषमता, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता में गैर-बराबरी जैसे सामाजिक जोखिम पहले से मौजूद हैं। उधर पड़ोसी देशों के साथ तनाव बढ़ रहा है।

मूडी'ज ने मणिपुर में जारी हालात का खास जिक्र किया है। यह हकीकत से आंख चुराने की बढ़ती जा रही प्रवृत्ति की ही झलक है कि भारत संबंधी मूडी'ज के आकलन के इस पक्ष को मीडिया के सीमित हिस्से ने ही प्रमुखता से पेश किया। अधिकांश जगहों पर इस ५सकारात्मक५ बात को सुर्खियों में लाया गया कि भारत की तेज वृद्धि दर फिलहाल बनी रहेगी। बहरहाल, अर्थशास्त्र का कोई सामान्य विद्यार्थी यह जानता है कि वृद्धि दर और विकास कोई अलग-थलग चीज नहीं होती है। अर्थव्यवस्था के विकास के जो अनिवार्य पहलू हैं, उनमें सामाजिक शांति, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अवसर, कानून के राज का पालन, और नियम-कायदों पर अमल को सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं का निष्पक्षता से काम करना शामिल हैं। पूरी दुनिया में एक भी ऐसी मिसाल नहीं है, जहां इन पहलुओं की अनदेखी करते हुए कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था को विकसित कर पाया हो। दुखद यह है कि भारत में जो सरकार तेज आर्थिक वृद्धि दर को अपनी यूएसपी बनाए हुई है, उसी के राज में इन तमाम अपेक्षाओं का खुला उल्लंघन हो रहा है।

क्या काम का जरुरत से ज्यादा प्रेशर बिगाड़ रहा है आपकी पर्सनल लाइफ

भले ही आप मल्टी टास्किंग हैं। हर काम का बखूबी करना जानते हैं। अपने करियर और गोल को लेकर काफी मेहनत करते हैं लेकिन अपनों के लिए आपके पास वक्त नहीं है तो जरुरत है इस ओर ध्यान देने की। क्योंकि सक्सेज के साथ-साथ आपको अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ भी मैनेज करना चाहिए। इसमें बैलेंस बनाकर आप भविष्य की कई समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स जिनसे आप अपने वर्क लाइफ और पर्सनल लाइफ में काफी हद तक बैलेंस कर सकते हैं।

टाइम मैनेजमेंट आपके पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को काफी हद तक बैलेंस कर देता है। बिजी लाइफस्टाइल में अगर फ्रेंड्स और फैमिली के लिए वक्त निकालना मुश्किल है तो आप समय का सही उपयोग कर इसका उपाय ढूंढ सकते हैं। दोस्तों से कनेक्ट रहने के लिए आप फोन या सोशल मीडिया के जरिए उनसे जुड़े रह सकते हैं। ऐसे में दूरिया होकर भी आप अपने रिश्ते को मैनेज कर सकते हैं।

बिजी लाइफ के दौर में किसी के लिए भी वक्त निकाल पाना काफी कठिन होता है। लेकिन इससे कई रिश्तों में दूरियां बढ़ने लगती हैं। लोगों को लगता है कि आप उनसे कटे-कटे रहना चाहते हैं। ऐसे में जरुरत है आपको वक्त निकालने की। कोशिश करें कि पूरे दिन भले ही समय न निकाल पाएं लेकिन अपने चाहने वालों के साथ लंच या डिनर जरूर प्लान करें। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों का अलग-अलग महत्व है। अगर एक को ज्यादा और दूसरे को कम वक्त देते हैं तो आपकी लाइफ में कई समस्याएं आ सकती हैं। इसलिए दोनों की प्रॉयरिटी अपने हिसाब से सेट करें और जिन कामों को आप जबरदस्ती कर रहे हैं, उन्हें दूसरों को भी करने दें और खुद के लिए थोड़ा सा वक्त निकालें। इससे आप एक जगह काम करते हुए दूसरे जगह की चिंता करने से भी बच जाएंगे। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ मैनेज करने के लिए आपकी बाउंड्री तय होनी चाहिए। हालांकि आज के दौरा में सहकर्मियों के साथ कॉम्पिटिशन के चलते यह इतना भी आसान नहीं लेकिन कोशिश करें कि ऑफिस का काम ऑफिस में ही छोड़ दें, क्योंकि घर पर इसका जिक्र या इसे ले जाना आपकी पर्सनल लाइफ को बिगाड़ सकता है। ठीक इसी तरह घर की समस्या को ऑफिस लेकर न जाएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

खतरनाक होती है काली खांसी, इन घरेलू उपायों से मिलेगा आराम

जिन बच्चों या बड़ों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, वो बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। इनमें भी विशेष रूप से बच्चे। इनमें से एक है काली खांसी जो कि एक संक्रमण रोग है और श्वसन संबंधी बीमारी है। खासकर 2-3 वर्ष उम्र के बच्चों में काली खांसी अधिक देखी जाती है। काली खांसी को अंग्रेजी में पर्टुसिस और वूपिंग कफ कहा जाता है। वहीं, इसे स्थानीय भाषा में कुकुर खांसी के नाम से भी जाना जाता है। इस बीमारी में कई बार खांसते-खांसते दम फूलने लगता है। आंखें लाल हो जाती हैं। आज हम अपने पाठकों को कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जो बच्चों को इस बीमारी से आराम दिलाने का काम करेंगे।

तुलसी : काली खांसी में तुलसी का इस्तेमाल काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया से लड़ने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आप 1०-12 तुलसी के पत्तों को पीस लें। अब इसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर छोटी-छोटी गोलियां बना लें। बच्चे को दिन में 3-4 गोली खाने को दें।

मुलेठी : मुलेठी में ग्लाइसिराइजिक एसिड होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें डीमुलसेंट घटक होते हैं जो उत्तकों का इलाज करते हैं। काली खांसी के कारण उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है।मुलेठी से इलाज के लिए सबसे पहले एक कप पानी को गर्म करें और उसमें एक बड़ा चम्मच मुलेठी का पाउडर डालें। मिश्रण को पांच मिनट तक गर्म होने को रख दें। अब बर्तन को गैस से हटाएं और दस मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। फिर मिश्रण को छानकर पी जाएं। इस प्रक्रिया को कुछ दिनों तक पूरे दिन में दो से तीन बार दोहराएं।

अदरक : अदरक का उपयोग स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी किया जा जाता है। इससे जुड़े एक शोध में पाया गया कि अदरक ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया के खिलाफ एंटीबैक्टीरियल प्रभाव प्रदर्शित कर सकता है। वहीं, काली खांसी का बैक्टीरिया भी एक ग्राम नेगेटिव बैक्टीरिया ही है, इसलिए माना जा सकता है कि अदरक काली खांसी के बैक्टीरिया से लड़ने का काम कर सकता है। इलाज के लिए अदरक का पेस्ट बना लें। पेस्ट से अदरक का रस निकालें और इसका रोजाना सेवन करें। स्वाद के लिए इसमें आधा चम्मच शहद मिला सकते हैं।

एसेंशियल ऑयल : एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल काली खांसी से राहत पाने के लिए फायदेमंद हो सकता है। पुदीना और लेमनग्रास एसेंशियल ऑयल में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मददगार हो सकते हैं। बच्चे को काली खांसी होने पर बादाम या जैतून के तेल में पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल डालकर पीठ और छाती की हल्की मालिश करें।

बादाम : बच्चों की काली खांसी खत्म करने के लिए तीन-चार बादाम रात में पानी में भिगाकर रख दें। सुबह बादाम के छिलके उतार लें। इसे एक कली लहसुन और थोड़ी सी मिश्री के साथ पीस लें। तैयार पेस्ट की छोटी-छोटी गोलियां बनाकर बच्चे को खिलाएं। इससे खांसी में आराम मिलेगा। काली खांसी के लक्षण आमतौर पर 5-1० दिनों के भीतर संक्रमित होने के बाद विकसित होते हैं। कभी-कभी काली खांसी के लक्षण 3 सप्ताह तक विकसित नहीं होते हैं।

लहसुन : लहसुन सर्दी, जुकाम और खांसी के इलाज के लिए फायदेमंद है। काली खांसी से छुटकारे के लिए लहसुन की 5-6 कलियों को छीलकर बारीक काट लें। उन्हें पानी में उबाल लें। इस पानी से भाप लें। रोज ऐसा करने से 8-1० दिन में काली खांसी खत्म हो जाती है।

हल्दी : हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं जो काली खांसी का इलाज करने में मदद करते हैं। इसमें इलाज करने वाले गुण होते हैं जो खांसी के लिए प्रभावी होते हैं, खासकर सूखी खांसी। हल्दी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है और शरीर में मौजूद इन्फेक्शन से लड़ती है। इसके लिए एक ग्लास गर्म दूध में हल्दी मिला लें। मिलाने के बाद दूध को पी जाएं। इस उपाय को पूरे दिन में दो बार करें।

अजवाइन : अजवाइन के फायदे काली खांसी का घरेलू इलाज करने में भी लाभदायक हो सकते हैं। इससे जुड़े एक शोध में जिक्र मिलता है कि यह सामान्य कफ से लेकर काली खांसी में राहत पहुंचाने का काम कर सकता है। वहीं, अजवाइन में एंटी बैक्टीरियल गुण भी मौजूद होता है। ऐसे में यह काली खांसी के बैक्टीरिया से लड़ने का काम भी कर सकता है। इलाज के लिए पानी में अजवाइन डालें। इसके बाद अच्छे से उबाल लें। अजवाइन से निकले पीले पानी को पी लें।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -020

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

1		■	2	3	4	■	5	6
	■	7				8	■	
9			■	10				
	■		■	■	■	12	■	
■	11		12		■	■	13	
14		■		■	■	15		■
16		■	17	18	19			■
20		21	■	22		■	■	■
	■		■	23				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 19 का हल

ग	ल	त	■	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

विद्या बालन की नीयत ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दी दस्तक

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को पिछली बार स्पाई थ्रिलर फिल्म नीयत में देखा गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी।50 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म नीयत ने टिकट खिड़की पर महज 5.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।अब विद्या की नीयत ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है।ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। फिल्म नीयत में विद्या ने मीरा राव नाम की महिला का किरदार निभाया है, जो जासूस बनकर हत्या की गुत्थी सुलझाती है।इसमें नीरज काबी, राम कपूर, शहाणा गोस्वामी, शशांक अरोड़ा, अमृता पुरी, मीता वशिष्ठ और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन अनु मेनन ने किया था, जबकि नीयत की कहानी अनु, गिरवाणी ध्यानी, अद्वैत कला और प्रिया वेंकटरमन ने मिलकर लिखी था।

नीयत का निर्माण विक्रम मल्होत्रा ने किया था। इसमें शेफाली शाह का कैमियो भी है।फिल्म ग्लास अनियन की आधिकारिक रीमेक नहीं है, लेकिन इसकी याद जरूर दिलाती है।नेटफ्लिक्स पर मौजूद इस फिल्म में भी करीबी दोस्तों के बीच आलीशान पार्टी के दौरान एक मौत होती है और हर किसी पर शक की सुई घूमती है।आने वाले दिनों में विद्या फिल्म लवर्स में नजर आएंगी। इसमें प्रतीक गांधी भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे।

फिल्म 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक

टीवी शो बालिका बधू में आनंदी का किरदार निभाकर मशहूर हुईं अविका गौर ने 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था।10 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर 17.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट ने ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर दस्तक दे दी है।जो दर्शक इस फिल्म को नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। डिज्नी+ हॉटस्टार ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट का प्रोमो साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, क्या बदले की आग मौत के बाद भी जिंदा रहती है?यह विक्रम भट्ट की बेटी कृष्णा भट्ट के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी।1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट में राहुल देव, बरखा बिष्ट, अमित बहल और अवतार गिल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे, जबकि इसकी कहानी महेश भट्ट और सुहृता दास ने लिखी थी। (आरएनएस)

अमीषा पटेल ने जाहिर की ऋतिक रोशन के साथ काम करने की इच्छा

अमीषा पटेल मौजूदा वक्त में अपनी फिल्म गदर 2 की सफलता का आनंद उठा रही हैं।11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म 283.35 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर चुकी है और 300 करोड़ क्लब में शामिल होने में कुछ ही दूर है। इन सब खबरों के बीच अब अमीषा ने दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। इसके साथ उन्होंने ऋतिक रोशन संग काम करने की इच्छा जाहिर की है। अमीषा और ऋतिक साल 2000 में आई फिल्म कहो ना प्यार है में साथ काम कर चुके हैं।

अमीषा ने कहा, मैं दर्शकों और अपने प्रशंसकों को धन्यवाद कहना चाहती हूं। सभी प्यारे लोगों को शुक्रिया। टिकट लेने के लिए लंबी लाइनों में लगना, कई बार जाना और हमारी फिल्मों को देखना किसी चुनौती से कम नहीं है।उन्होंने आगे कहा, किसी भी फिल्म को हिट कराने में दर्शकों का अहम योगदान होता है। हालांकि, दर्शकों के बाद मैं अपने ईश्वर को शुक्रिया कहूंगी। मैं बहुत खुश हूं।

अमीषा ने ऋतिक संग काम करने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे अच्छा लगेगा अगर मुझे ऋतिक के साथ दोबारा काम करने का अवसर मिलेगा। दर्शकों ने कहो ना प्यार है में हमारी केमिस्ट्री को काफी पसंद किया था।उन्होंने आगे कहा, हमारी पहली फिल्म एक रोमांटिक-थ्रिलर थी, लेकिन मैं चाहती हूं कि हम दोनों की दूसरी फिल्म कॉमेडी, शानदार संगीत और ढेर सारा डांस से भरपूर हो क्योंकि हम दोनों ही अच्छे डांसर हैं।(आरएनएस)

वरुण तेज और नोरा फतेही की वीटी 14 का नाम रखा मटका

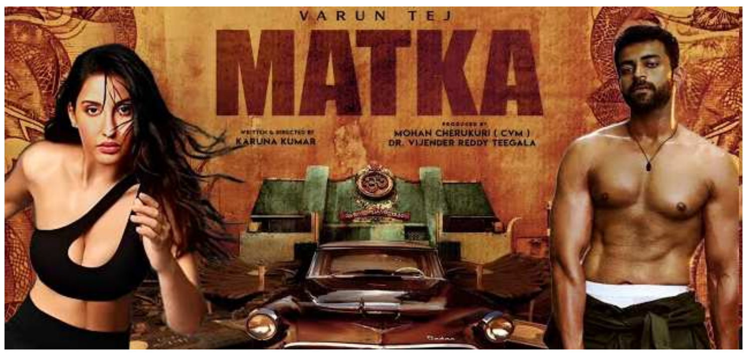

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता वरुण तेज पिछले लंबे वक्त से अपनी आने वाली फिल्म वीटी 14 को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं।इसमें उनकी जोड़ी बॉलीवुड की मशहूर मॉडल, डांसर और अभिनेत्री नोरा फतेही के साथ बनी है।अब वरुण और नोरा की वीटी 14 को नाम मिल चुका है। वीटी 14 का नाम मटका रखा गया है। इसके साथ निर्माताओं ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है।

वरुण ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर मटका का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन उन्होंने लिखा, मेरी अगली फिल्म। मुझे आपका प्यार चाहिए।यह फिल्म करुणा कुमार के निर्देशन में बन रही है। यह वरुण के करियर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है।मटका में मीनाक्षी चौधरी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।यह 1960 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है।

यह वरुण के करियर की अब तक की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है।उनके प्रशंसक इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं और अब फिल्म में नोरा की एंट्री हो गई है, जिसके बाद प्रशंसकों का उत्साह बेशक दोगुना हो जाएगा।फिल्म में नोरा एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। इसमें वह अभिनय के अलावा एक स्पेशल डांस नंबर भी करती दिखेंगी।

वरुण के पिता तेलुगु सिनेमा के अभिनेता और निर्माता नागेंद्र बाबू हैं। नागेंद्र सुपरस्टार चिरंजीवी और पवन कल्याण के भाई हैं। वरुण ने बाल कलाकार के तौर पर अपने पिता की फिल्म हैंड्सअप से शुरुआत की थी। उस वक्त उनकी उम्र महज 10 साल थी।

वरुण की इस फिल्म की बात करें तो इसमें उनके साथ एक नहीं, बल्कि दो अभिनेत्रियां नजर आएंगी। मीनाक्षी चौधरी का नाम फिल्म के लिए पहले ही फाइनल कर दिया गया था।यह 1960 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। इसे काफी बड़े बजट में बनाया जा रहा है और यह 2024 की शुरुआत में दर्शकों के बीच आएगी।मोहन चेरुकुरी इस फिल्म के निर्माता हैं।

डांस की दुनिया में अपना नाम कमाने के बाद अब नोरा अभिनय जगत में अपना दमखम दिखाने को तैयार हैं। वह फिल्म मडगांव एक्सप्रेस की लीड एक्ट्रेस हैं।इस फिल्म के निर्देशक कुणाल खेमू हैं। उन्होंने इस फिल्म से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। फिल्म की कहानी काफी दिलचस्प है और इसमें नोरा का किरदार भी मजेदार है।इस कॉमेडी फिल्म में नोरा का वो अवतार देखने को मिलेगा, जो इससे पहले दर्शकों ने कभी नहीं देखा।

नोरा की पहली तेलुगु फिल्म टेंपर थी, वहीं हिंदी फिल्म रोर: टाइगर ऑफ द सुंदरबन्स से उन्होंने बॉलीवुड में एंट्री की थी। सत्यमेव जयते से लेकर आयुष्मान खुराना की एक्शन हीरो तक वह कई फिल्मों में डांस नंबर करती दिख चुकी हैं।भारत और भुज जैसी कुछेक फिल्में ही हैं, जिनमें नोरा को अभिनय करते देखा गया, लेकिन वह कभी किसी फिल्म में बड़ी भूमिका में नहीं दिखीं।नोरा जल्द ही साजिद खान की फिल्म 100% में भी नजर आएंगी।

शॉर्ट ड्रेस पहन शमा ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों को अपने सेक्सी लुक्स से हैरान कर देती हैं। एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोज में हॉटनेस देखकर एक बार फिर से उनके चाहने वालों का बीपी हाई हो गया है। इन तस्वीरों ने एक बार फिर से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने एक बार फिर से अपने हॉट और सिजलिंग अंदाज से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने डेनिम शॉर्ट्स और ब्लैक कलर के टॉप में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से आहें भरने लगे हैं। शमा सिकंदर अपनी इन फोटोज में कैमरे के सामने सिजलिंग अदाओं में पोज देती हुई फैंस के होश उड़ा रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस हमेशा दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। एक्ट्रेस ने एक बार फिर से अपनी इन फोटोज में परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए हॉटनेस का तड़का लगा दिया है। शमा सिकंदर की इन तस्वीरों पर फैंस कॉमेंट्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

खतरों के खिलाड़ी से टेलीविजन की दुनिया का गुर सीखा: डेजी शाह

रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में प्रतिभागी डेजी शाह को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि खतरों के खिलाड़ी करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म जय हो से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

अभिनेत्री डेजी शाह रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में प्रतिभागी हैं। अभिनेत्री को बुधवार को शिव ठाकरे और साउंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया।

अभिनेत्री ने शो खतरों के खिलाड़ी में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था।

उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने इस शो के साथ बहुत अच्छी यादें और दोस्त बनाए हैं।

शो में अपने विभिन्न स्टंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, स्टंट शुरू करने से ठीक पहले एक तितली जैसा एहसास होता है लेकिन फिर आपको रोहित सर की आवाज सुनाई देती है कि आप यह कर सकते हैं। यह आपको स्टंट करने के लिए प्रेरणा देता है।(आरएनएस)

दस्तकार : हुनरमंदों की आजीविका को बचाना जरूरी

भारत डोगरा

हमारे देश में दस्तकारियों और हस्तशिल्प की आज क्या स्थिति है, उसे दो नजरियों से देखा जा सकता है। पहले नजरिए में ध्यान महानगरों में खुले हुए इंपोरियम और एक्सपोर्ट यानी निर्यात के बाजार पर केंद्रित है। निश्चय ही यहां काफी चकाचौंध है।

हालांकि अलग-अलग हस्तशिल्प के निर्यात में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। किन्तु क्या बढ़ते निर्यात के आंकड़ों और इंपोरियम की चमक-दमक के आधार पर ही यह कहा जा सकता है कि भारत के दस्तकारों की हालत सुधर रही है और उनके रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं? नहीं, निर्यात के बाजार और महानगरों की खरीद का लाभ तो भारत जैसे बड़े देश के कुछ दस्तकारों तक ही पहुंच पाता है।

अधिकांश दस्तकारों की हालत तो इस बात पर निर्भर करती है कि अपने ही देश के गांवों और छोटे शहरों के साधारण लोग उनके साथ जुड़े हुए है या नहीं, उनकी बनाई वस्तुओं को खरीद रहे है या नहीं? इतनी ही महत्त्वपूर्ण या कई बार तो इससे भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि क्या दस्तकारों द्वारा घरेलू बाजार के लिए उत्पादन करने की स्थिति अनुकूल है? क्या उन्हें पर्याप्त कच्चा माल आसानी से और उचित कीमत पर मिल रहा है? क्या लकड़ी का काम करने वालों को लकड़ी मिल रही है या जुलाहों को सूत मिल रहा है? क्या कुम्हारों को मिट्टी तक नसीब हो रही है या नहीं? दस्तकारियों और दस्तकारों की हालत को देखने का यह दूसरा नजरिया उस बड़े हिस्से पर केंद्रित है, जो इम्पोरियम और निर्यात बाजार की चमक-दमक से दूर है। यहां हालत बहुत चिंताजनक है। लाखों दस्तकारों से उनका बाजार छिनता जा रहा है, लाखों दस्तकारों को कच्चा माल नहीं मिल रहा है। यहां तक कि बहुत से कुम्हारों को ठीक तरह की मिट्टी तक नहीं मिल रही है। कितनी ही दस्तकारियां दम तोड़ रही है, कितने ही बहुत अच्छे हुनर के दस्तकार निराश बैठे हैं और कसम खा रहे हैं कि अपने बच्चों से आगे यह काम नहीं करवाएंगे। हजारों बढ़िया और बारीक हुनर वाले दस्तकार आज रोजी-रोटी की खातिर रिक्शा या ठेला चलाने के लिए मजबूर हो गए हैं।

इतना ही नहीं, जिन दस्तकारों की बनाई वस्तुएं विदेशी बाजार, दिल्ली, मुंबई के इंपोरियम तक पहुंच रही हैं, उनके बारे में भी निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि उनकी आर्थिक हालत ठीक है। कई दस्तकारियां बड़े-बड़े बाजारों में तो पहुंच रही हैं पर ग्राहकों द्वारा दी गई ऊंची कीमत का बहुत मोटा हिस्सा कई स्तरों पर फैले बिचौलिये ले जाते हैं। जिसके हुनर के बल पर सारा कारोबार चल रहा है, उसे बहुत कम हिस्सा मिलता है। इन दस्तकारों की कमाई का बड़ा हिस्सा हड़पने वाले बिचौलिये इस बात का भी ध्यान नहीं रखते कि यदि यह हुनर ही नहीं बचा तो इस पर आधारित पूरे कारोबार को कौन बचाएगा और कैसे बचाएगा। विदेशी आर्डर हमारे अपने हाथ में नहीं हैं। कई कारणों से उनमें उतार-चढ़ाव हो रहे हैं।

यह सच है कि विदेशी ऑर्डरों से हमारे यहां कई दस्तकारों को रोजगार मिला और उनके महत्त्व को हम स्वीकार करते हैं। किन्तु उन्हें हम अपने दस्तकारी क्षेत्र का आधार नहीं बना सकते हैं। आधार तो हमारा अपना घरेलू बाजार ही रहना चाहिए। इस आधार को दस्तकारों के लिए सुरक्षित बनाना चाहिए। अपने दस्तकारों के लिए घरेलू बाजार को हमें प्राथमिकता देनी चाहिए और उसके ऊपर से यदि विदेशी ऑर्डरों से अतिरिक्त आमदनी हो जाए तो यह और भी अच्छा है। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि दस्तकारियों के पूरे कारोबार से जो आमदनी होती है, उसका पर्याप्त हिस्सा उन दस्तकारों तक जरूर पहुंचना चाहिए जिनकी मेहनत है, और जिनका हुनर है। साथ ही, उन्हें जरूरी कच्चा माल सही दाम पर प्राप्त होता रहे, इसके लिए विशेष प्रयास की जरूरत हैं।

हमारे खेतों, बगीचों और वनों मे ऐसे तरह-तरह के पौधे, झाड़ियां, पेड़ आदि मिलते हैं, जिनसे हम अनेक तरह के प्राकृतिक रंग प्राप्त कर सकते हैं। आज रासायनिक रंगों के उपयोग से बहुत प्रदूषण फैल रहा है। कुछ रासायनिक रंगों के उपयोग पर तो कई जगह प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। ऐसे रासायनिक रंगों का उपयोग हो तो कुछ महत्त्वपूर्ण स्थानों पर वस्त्र की बिक्री नहीं हो सकेगी। इस स्थिति में प्राकृतिक रंगों का महत्त्व और भी बढ़ गया है। इनका उचित उपयोग किया जाए तो निर्यात बाजार में भी बहुत सहायता मिल सकती है। अतः अनेक दस्तकारियों को आगे बढ़ाने में प्राकृतिक रंग देने वाले पौधों के संरक्षण से बहुत सहायता मिल सकती है।

जहां तक औद्योगिक नीति का सवाल है, तो आज जो इतनी तरह-तरह की औद्योगिक वस्तुओं का उत्पादन हो रहा है, दस्तकारियों को भी इनमें एक महत्त्वपूर्ण जगह मिलनी चाहिए। जिन कार्यों और स्थानों में दस्तकारियों की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है, जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना वे बहुत से लोगों को रोजगार दे रही हैं, और साथ ही महत्त्वपूर्ण उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन कर रही हैं, वहां उनकी इस महत्त्वपूर्ण भूमिका को क्यों न स्वीकार किया जाए? उदाहरण के लिए हमारे देश के अनेक भागों में तरह-तरह के बांस और बेंत से कार्य करने वाले दस्तकार टोकरी, डलिया आदि अनेक तरह की दैनिक जीवन की वस्तुओं की आपूर्ति करते हैं। अब इस क्षेत्र में प्लास्टिक का प्रवेश भला क्यों हो? क्यों न पर्यावरण और रोजगार, दोनों की दृष्टि से उचित इस दस्तकारी को आगे बढ़ावा दिया जाए।

उनके कार्य की स्थायी सुरक्षा के लिए उन्हें बांस और बेंत उगाने के लिए कुछ भूमि दी जाए जिससे उन्हें कच्चे माल की कमी का सामना न करना पड़े। इस तरह छोटे-छोटे उपाय अपना कर हम अनेक दस्तकारियों को बचा सकते हैं और वे पर्यावरण तथा रोजगार संरक्षण, दोनों उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुये उपभोक्ताओं की जरूरत को पूरा कर सकते हैं। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि दैनिक उपयोग की इन दस्तकारियों में जो सहज सुंदरता है, वह प्लास्टिक में नहीं हो सकती है। हम अपनी औद्योगिक नीति में पर्यावरण संरक्षण और रोजगार बचाने की बात तो करते हैं पर व्यावहारिक स्तर पर हम इन अति महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों की उपेक्षा करते हैं। यदि हम वास्तव में इन उद्देश्यों को महत्त्व देते हैं तो यह स्पष्ट है कि अनेक जरूरतों को दस्तकारियों के माध्यम से पूरा कर इन उद्देश्यों की प्राप्ति बहुत अच्छी तरह से की जा सकती है। विशेषकर सरकारी कार्यालयों के लिए जो ऑर्डर हैं-वर्दी, परदे, टेबल क्लॉथ, डस्ट बिन आदि कितनी ही विविध वस्तुओं के ऑर्डर, जिन्हें दस्तकारियों के स्तर पर बखूबी पूरा किया जा सकता है, को तो दस्तकारियों को ही दिया जाना चाहिए। यह बात तो पूरी तरह सरकार के हाथ में है तो भी इसकी उपेक्षा क्यों होती है? हां, दस्तकारियों की गुणवत्ता बनी रहे इसके लिए असरदार कदम उठाए जा सकते हैं।

दस्तकारियों की सहायता के लिए कोई भी नीति अपनाई जाए, कोई भी उपाय किए जाएं उनमें हमें इस बुनियादी बात को नहीं भूलना चाहिए कि हमें वास्तविक दस्तकार तक, वास्तविक मेहनतकश और हुनरमंद तक पहुंचना है। जो तरह-तरह के बिचौलिये सरकारी सहायता का लाभ बटोरने के लिए तैयार रहते हैं पर साथ ही गरीब जरूरतमंद दस्तकार का शोषण करने में भी आगे है, उनसे हमें बचना है, उनके दबदबे को दस्तकारी क्षेत्र में कम करना है और हो सके तो दूर करना है।

सू- दोकू क्र.020

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.19का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	6/5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

ट्रंप टोली बतौर 'क्रिमिनल गैंग' कटघरे में!

श्रुति व्यास

फैनी विलिस अमेरिका की नई चर्चित शख्शियत है। फैनी महिला हैं और उनके कारण पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राहों में खूब कांटे हैं।सभी मान रहे है कि ट्रंप पर उनका तैयार चौथा अभियोग अब तक का सबसे गंभीर है। फुल्टन काउंटी की जिला एटार्नी फैनी विलिस द्वारा आरोपित यह अभियोग, ट्रंप और 18 अन्य व्यक्तियों पर धोखाधड़ी की साजिश है। जिन लोगों पर आरोप लगे हैं उनमें से कुछ नाम ऐसे हैं जिनसे हम ट्रंप के कार्यकाल में परिचित हुए जैसे रूडी जुलियानी, सिडनी पावेल और मार्क मेडोज। अन्य लोगों में वे लोग शामिल हैं जो जॉर्जिया में चुनाव के बाद हुए हेराफेरी के प्रयासों के प्रमुख किरदार थे।

विलिस ने 19 लोगों पर 41 आरोप लगाए हैं। महत्वपूर्ण यह है कि ये आरोप जार्जिया के ठगी, धोखाधड़ी और भ्रष्ट संगठन कानून (आरआईसीओ) के अंतर्गत हैं। विलिस अपने 20 साल के कानूनी करियर में पहले भी कई लोगों के खिलाफ ठगी के अभियोग जारी कर चुकी हैं जिनमें अटलांटा के हिप-हाप समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल हैं। यह इस अभियोजक का पसंदीदा कानून है।''मैं आरआईसीओ की फैन हूं,'' उन्होंने एक बार एक पत्रकार वार्ता के दौरान कहा था। आरआईसीओ में एक साथ बड़ी संख्या में लोगों को आरोपी बनाना संभव है। उन सब पर जो एक साथ मिलकर किसी लक्ष्य को हासिल करने की साजिश करते होते है भले ही सभी व्यक्ति इसके सभी अपराधों में लिप्त न हों।

करीब 98 पृष्ठों का अभियोगपत्र ट्रंप के अमरीकी लोकतंत्र पर हमले का अपेक्षाकृत विस्तृत विवरण देता है। ट्रंप, अन्य 18-सह आरोपियों और 30 उन व्यक्तियों (जिन्हें आरोपी नहीं बनाया गया है) पर इल्जाम लगाया गया है कि उन्होंने ''एक आपराधिक संगठन बनाया जिसके सदस्यों एवं सहयोगियों ने कई आपस में जुड़ी आपराधिक गतिविधियां कीं जिनमें शामिल हैं झूठे लिखित एवं मौखिक बयान देना, सरकारी अधिकारी का रूप धरना, जालसाजी, झूठे दस्तावेज तैयार करना, गवाहों पर दबाव डालना, कम्प्यूटरों से चोरी, कम्प्यूटर सिस्टम्स में अनाधिकार प्रवेश, कम्प्यूटरों संबंधी गोपनीयता का उल्लंघन, राज्य के साथ धोखाधड़ी की साजिश रचना, चोरी एवं और झूठी गवाही देना।

मोटे तौर पर फैनी विलिस ने ट्रंप और उनके सहयोगियों पर एक क्रिमिनल गैंग की तरह कार्य करने का आरोप लगाया है।ध्यान रहे दो हफ्ते पहले फ़ेडरल जस्टिस डिपार्टमेंट के अभियोजक जेक स्मिथ ने ट्रंप पर ओवल आफिस पर दुबारा कब्जा करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। उसमेंउन्होने पूर्व राष्ट्रपति के जार्जिया समेत अन्य राज्यों में की गई कारगुजारियों का विवरण भी दिया था। यह नया अभियोग पिछले पांच महीनों में ट्रंप पर लगाया गया चौथा अभियोग है। इसके साथ ही ट्रंप पर लगाये गए कुल आपराधिक आरोपों की संख्या 91 हो गयी है।

जहां तक फैनी विलिस का सवाल हैं वे एक डेमोक्रेट हैं और अपने कार्यकाल में 12,000 से अधिक अभियोग लगा चुकी हैं। अपने अतिउत्साह के कारण दक्षिणपंथियों और वामपंथियों दोनों को वे काफी डरावनी लगतीं हैं। कई प्रगतिशील, जो अब उम्मीद कर रहे हैं कि वे ट्रंप पर फंदा कसेंगीं, पहले अभियोजक के रूप में उनके अतिउत्साही रवैये के आलोचक रहे हैं। विलिस को उम्मीद है कि यह मुकदमा छःह माह के अंदर शुरू हो जाएगा हालांकि उनका इतिहास मुकदमा जल्दी निपटाने का नहीं है। आरआईसीओ कानून के अंतर्गत उनके द्वारा चलाए गए पिछले मुकदमे जार्जिया के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाले मामले थे। जहां तक ट्रंप का सवाल है, संभवत: वे चाहेंगे कि मामला लंबा खिचे। यह अनुमान है कि वे अपील करेंगे ताकि मामला संघीय न्यायालय में चला जाए जहां उन्हें कुछ हद तक अधिक सहानुभूतिपूर्ण रवैये वाली जूरी मिलने की उम्मीद है, जैसा उन्होंने मुंह बंद रखने के लिए पैसे देने वाले एक अलग मामले में किया था। ऐसा माना जा रहा है कि जार्जिया वाला मामला टेलिविजन पर प्रसारित होने वाला इकलौता मुकदमा होगा।

आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती भी चढी भ्रष्टाचार की भेंट:बिष्ट

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता शीशपाल बिष्ट ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ गयी है।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता शीशपाल बिष्ट ने बयान जारी करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्तियों में हुई मनमानी एवं भ्रष्टाचार के मामले में 3 अगस्त 2023 को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जांच एवं जांच होने तक नियुक्ति प्रक्रिया स्थगित किये जाने के जो निर्देश दिये गये थे उन निर्देशों का अधिकारियों द्वारा क्या पालन किया गया उस पर सवाल खडे किये हैं। शीशपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड में आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्साधिकारियों की लिखित परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले अभ्यर्थियों की जगह 4 प्रतिशत, 6 प्रतिशत व 13 प्रतिशत अंक लाने वाले अभ्यर्थियों का चयन भ्रष्टाचार की पुष्टि कर रहा है। वहीं इस परीक्षा की मौखिक परीक्षा प्रक्रिया में भी मनमाने तरीके से चहेतों को लाभ पहुंचाया गया तथा मनमाने ढंग से अंक देकर उनकी नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया गया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार की मनमानी की गई उससे आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों की परीक्षा की निष्पक्षता पर बडे सवाल खडे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब यह मामला बेरोजगार युवाओं और विपक्ष द्वारा उठाया गया तो प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 3 अगस्त 2023 को मामले का संज्ञान लेते हुए इन 254 पदों पर हुई धांधली की जांच के आदेश दिये थे तथा जांच होने तक भर्ती प्रक्रिया को स्थगित करने का फरमान जारी किया था मगर 7 अगस्त 2023 को समाचार पत्रों में चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने विज्ञापन देकर चयनित अभ्यर्थियों से समस्त प्रपत्रों सहित उपस्थित होने के निर्देश दिये जिससे उन्हें नियुक्ति पत्र जारी किये जा सकें।

राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर का रंगारंग समापन

संवाददाता

देहरादून। केन्द्रीय विद्यालय एफआरआई में राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर का रंगारंग समापन किया गया।

आज यहां केंद्रीय विद्यालय एफ आर आई में राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर का रंगारंग समापन किया गया. प्राचार्य हनुमंत सिंह ने सभी अतिथियों का हरित स्वागत किया। अनेक अनुरक्षक शिक्षकों एवं स्कॉउट ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए अपने अनुभव साझा किए. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ललित मोहन बिष्ट सहायक आयुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग, जी.डी.उनियाल वित्त अधिकारी केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग रहे। एल. ओ. सी. परशुराम झा ने पांच दिवसीय कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ललित मोहन बिष्ट के द्वारा केंद्रीय विद्यालय अल्मोड़ा के मास्टर रितेश भंडारी को श्रेष्ठ स्काउट सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही मुख्य परीक्षण अधिकारी अखिलेश मिश्र, परीक्षक सुधांशु अग्रवाल, राज किशोर गुप्ता एवं पीयूष निगम को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में स्काउट द्वारा बांया हाथ मिलाने की परंपरा पर भी प्रकाश डाला गया। देहरादून संभाग के परीक्षक सुधांशु अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के स्काउट मास्टर अनूप चौधरी के द्वारा किया गया।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि तानाशाही और दमन की भी एक सीमा होती है। उन्होंने कहा कि आखिर किस अपराध के तहत बॉबी पंवार को गिरफ्तार किया गया। कहा कि, भाजपा सरकार बागेश्वर में अपनी हार को देख बौखला और घबरा गई है। गौरतलब है कि बॉबी पंवार बागेश्वर उपचुनाव के दौरान प्रेस कांफ्रेंस कर कुछ मुद्दे उठाना चाहते थे। हाल ही में राज्य सरकार ने बेरोजगार संघ के आन्दोलित युवाओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की घोषणा की थी। बहरहाल, बॉबी पवार की आज हुई गिरफ्तारी के बाद बागेश्वर उपचुनाव का माहौल गर्मा गया है। कांग्रेस का आरोप है कि बागेश्वर उपचुनाव में कांग्रेस के पार्टी प्रत्याशी की तय जीत से भाजपा सरकार बौखला गयी है।

करोड़ों रुपये लेकर फरार आरोपी का पिता 48 लाख की नगदी के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। करोड़ों रुपये लेकर फरार आरोपी के पिता को पुलिस ने 48 लाख की नगदी के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक नगर सरिता डोभाल ने बताया कि 19 अगस्त को मीनू गोयल निवासी न्यू डिफेन्स कालोनी विश्वनाथ एन्क्लेव रायपुर ने अपने घर से रूपये व ज्वैलरी चोरी होने के सम्बन्ध में एक प्रार्थना पत्र दिया गया।पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की गम्भीरता को देखते हुए घटना के शीघ्र खुलासे के लिए थानाध्यक्ष कुन्दन राम के नेतृत्व में पुलिस टीमें गठित की गयी थी। पुलिस टीम द्वारा 21 अगस्त को सन्नी को विश्वनाथ इन्क्लेव सहस्त्रधारा रोड़ से गिरफ्तार किया गया था, जिसकी निशानदेही पर चोरी किये गये दो करोड़ साठ लाख रुपये 02 ट्राली बैग एंव 02 वाहन बरामद किये गये थे। पूछताछ पर सन्नी द्वारा बताया गया कि उसके साथ घटना को अंजाम देने में उसका एक अन्य साथी धीरज पुत्र भूदेव निवासी वाजिदपुर थाना बड़ौद उ,प्र, भी शामिल था, जिसे उसने अन्य तीसरा रुपयो का बैग दिया था। उक्त प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ उपनिरीक्षक नवीन जोशी एक अन्य टीम को जनपद बड़ौद रवाना किया गया।

पुलिस टीम द्वारा फरार धीरज के घर व अन्य सम्भावित जगहों पर दबिश दी गयी, परन्तु वाँछित धीरज फरार मिला। जिसके बारे में आस-पास के लोगो से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि आरोपी खेती बाड़ी का काम करता है। पूर्व में देहरादून में भी रह चुका है। धीरज का एक भाई दिल्ली पुलिस में नियुक्त है, जो कि नरेला दिल्ली में ही सरकारी आवास में रहता है। गाँव में उसके पिता व पत्नी रहते है। घटना के बाद वह एक दिन अपने घर पर आया था। पुलिस टीम को सूचना मिली कि धीरज के पिता भूदेव चोरी किये गये रुपयो में से भारी धनराशी को गाँव में ही छिपाने की फिराक में है। जिसके पश्चात् से ही पुलिस टीम द्वारा लगातार उसके पिता व अन्य परिवार की निगरानी करनी शुरु कर दी, जिसके परिणाम स्वरुप 24 अगस्त को धीरज के पिता भूदेव को उनके गाँव वाजिदपुर बड़ौद में उन्ही की ट्यूबेल के पास से गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से चोरी के अठतालीस लाख रुपये एक सफेद कट्टे से बरामद की गयी।

पूछताछ मे भूदेव ने बताया कि उसके दो पुत्र है। बड़ा पुत्र नीरज दिल्ली पुलिस में है, जो अपने बच्चो के साथ नरेला दिल्ली में रहता है तथा छोटा पुत्र धीरज अपने परिवार व उसके सहित गांव में ही रहता है। जो कि खेती बाड़ी का काम करता है। वह करीब 7-8 वर्ष पूर्व देहरादून में भी रह चुका है, जहाँ उसका एक दोस्त सन्नी रहता है। वे दोनो आपस में मिलकर डम्पर एंव बिल्डिंग मैटिरियल का काम करते थे। वह कुछ दिन पूर्व इलाहबाद मजदूर लेने के नाम से घर गया था और वह 20 अगस्त को वह गाँव में अपने घर पर आया था। जो कि अगले ही दिन बिना कुछ बताये घर से चले गया था। 21 अगस्त को जब उसको जानकारी मिली की उसके पुत्र धीरज को पुलिस ढूढ रही है तो वह अपने बेटे नीरज के पास नरेला दिल्ली गया, जहाँ नीरज से उसको पता चला कि धीरज ने देहरादून में अपने दोस्त सन्नी के साथ मिलकर बहुत बड़ी करोड़ो रुपये की चोरी कर रखी है। जिस पर उसने धीरज से बात करी और हमने मिलकर तय किया कि चोरी किये गये रुपये को ठिकाने लगा देते है। पुलिस को तथा किसी अन्य को भी इस बारे में नहीं बतायेंगे। चोरी के सारे रुपये नीरज के कमरे में रखे हुये थे। उसमें से गिनकर अडतालीस लाख रुपये उसने एक सफेद प्लास्टिक के कट्टे में लेकर अपने गाँव की ओर चला तथा शेष रुपयो को धीरज अपने साथ ले गया है। जिसे गाँव आने के बाद उसने अलग-अलग जगह पर छुपाये रखा। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर उसको न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

विदेश भेजने के नाम पर ठगे डेढ लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। विदेश भेजने के नाम पर डेढ लाख रूपये की धोखाधडी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डाकपत्थर रोड लक्ष्मणपुर निवासी मनोज कुमार ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि नितिन गुरुंग पुत्र गंगा सिंह गुरुंग निवासी उम्मेदपुर देहरादून ने उसको विदेश भेजने के नाम पर एक लाख 80 हजार रुपये लिये थे। काफी समय होने पर जब वो उसको विदेश नही भेज पाया तो उसने उससे अपने पैसे वापस मांगे जिसमें से बीस हजार 900 रुपये उक्त व्यक्ति ने उसको वापस कर दिये किंतु बची हुई धनराशि एक 59100 रुपये मांगने पर वापस नहीं कर रहा हैं। उक्त व्यक्ति ने विदेश भेजने के नाम पर उससे एक लाख 59100 रुपये धोखे से प्राप्त कर लिये तथा वापस नही कर रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

फोन पे पर 60 हजार रुपये लेकर वापस ना करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। फोन पे पर 60 हजार रूपये लेकर वापस ना करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिजीत मौर्य पुत्र राकेश मौर्य जिला बस्ती उत्तर प्रदेश ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह देहरादून में एक कम्पनी ग्रेबीज फैशन प्राईवेट लिव (आदर्श विहार, प्रेमनगर) में काम करता है। कम्पनी द्वारा अपने कर्मचारी को रहने के लिये कमरा दिया गया है एक कमरे में तीन लोग रहते है तथा आपस में सभी लोग मित्रवत सम्बन्ध बनाकर रहते थे। उसके साथ कमरे में एक लड़का

जिसका नाम सचिन यादव पुत्र महेश कुमार यादव निवासी ढ़ाणी, चोलावा, गावं जीणगौर जिला जयपुर राजस्थान है ने 16 जुलाई 2023 को रात्रि सवा दो बजे उसके फोन पे से 20-20 हजार रूपये तीन बार में कुल 60 हजार रूपये अपने पिता-माता सुमन के एकाउण्ट में यू.टी.आर. नम्बर से भेज दिये और सुबह वह कमरे से भाग गया उसने उसी रात में उसका पिन देख लिया और उसने उसी का फायदा उठा लिया। फोन पर बात करने पर उसके रूम में लीडर शत्रुघन सिंह को फंसाने की धमकी दे रहा है और कह रहा है कि वह पैसे नहीं देगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

पीएम चीनी घुसपैठ के बारे में झूठ बोल रहे हैं: राहुल गांधी

कारगिल। राहुल गांधी लद्दाख में जनसंपर्क यात्रा पर हैं और मोटरसाइकिल से केंद्र शासित प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कारगिल में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि श्भारत जोड़ो यात्राश लद्दाख नहीं पहुंच पाई। इसका उन्हें अफसोस है। यात्रा का उद्देश्य नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि लद्दाख जैसे रणनीतिक स्थल के लिए चीन द्वारा भारत की जमीन हथियाए जाने पर पीएम मोदी का बयान सच से परे है। रैली में राहुल गांधी ने मौजूदा केंद्र सरकार और भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पीएम के उस बयान को सच से परे बताया। जिसमें उन्होंने कहा कि लद्दाख की एक इंच जमीन भी नहीं ली गई। राहुल गांधी ने कहा, लद्दाख एक रणनीतिक स्थान है। एक बात बिल्कुल साफ है कि चीन ने भारत की जमीन छीन ली है। उन्होंने कहा, लद्दाख का हर व्यक्ति जानता है कि चीनियों ने हमारे क्षेत्र पर आक्रमण किया है। लेकिन पीएम मोदी ने साफ झूठ बोला और कहा कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा नहीं किया है। उन्होंने कहा मैंने पूरे लद्दाख का दौरा किया और मैंने विभिन्न राज्यों के श्रमिकों को विभिन्न बुनियादी ढांचे और निर्माण परियोजनाओं पर मजदूर के रूप में काम करते देखा। मैंने उनमें से कई लोगों से पूछा कि क्या उन्हें लद्दाख के स्थानीय लोग सहयोगी लगते हैं। उन सभी ने कहा 'यह घर से दूर एक घर है...आप (लद्दाख के लोग) कांग्रेस की विचारधारा की तरह सद्भाव में रहते हैं।

मासूम बेटी से हैवानियत के आरोपी पिता को अंतिम सांस तक जेल की सजा

उदयपुर । राजस्थान के उदयपुर में 8 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म करने के मामले में पॉक्सो वन कोर्ट ने पिता को जीवन की अंतिम सांस तक जेल में रहने की सजा सुनाई है। इसी के साथ एक लाख रुपये का जुर्माना भी भरना होगा। कोर्ट ने पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत 15 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति भी जमा कराने के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, 13 अगस्त 2020 को गोवर्धनविलास थाने में बच्ची की मां ने केस दर्ज कराया था। इसमें पीड़ित बच्ची की मां ने कहा था कि उसका पति शराब पीकर आए दिन मारपीट करता था। इससे परेशान होकर वह अपने बच्चों के साथ मायके चली गई। इसके बाद एक दिन पति मायके आ गया और रात में बच्ची को अपने साथ ऑटो में बैठाकर ले गया। करीब तीन घंटे बाद वह बच्ची लेकर लाया और बच्ची को छोड़कर चला गया। इस दौरान जब घर में देखा तो बच्ची के प्राइवेट पार्ट्स से खून निकल रहा था। अस्पताल में जब डॉक्टरों ने जांच की तो पता चला कि बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। अस्पताल की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शिकायत के आधार पर बच्ची के पिता के खिलाफ केस दर्ज किया।

अनियंत्रित होकर नहर में गिरी स्कॉर्पियो, 5 लोगों की मौत

सारण । बिहार के सारण जिले में एक स्कॉर्पियो सड़क के किनारे नहर में गिर गई। स्कॉर्पियो में 6 लोग सवार थे। इनमें पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति ने जैसे-तैसे अपनी जान बचाई। घटना के बाद लोगों ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव गोताखोरों की मदद से नहर से निकलवाए और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए। मृतक रामचंद्र साह के पुत्र नंदकिशोर ने बताया कि गोपालगंज के बैकुंठपुर में एक श्राद्ध कार्यक्रम था। वहां पिता रामचंद्र साह हलवाई का काम करने के लिए गए थे। रात में सभी लोग पदमपुर आ रहे थे। इसी दौरान कर्ण कुदरिया के पास रामजानकी पथ पर गाड़ी अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। एक व्यक्ति किसी तरह जान बचाकर निकल आया। उसने ग्रामीणों को जाकर घटना की जानकारी दी। लोगों ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस और अंचल अधिकारी को सूचना दी। नहर में डूबे सभी लोगों को रात में ही गोताखोरों की मदद से निकाला गया और छपरा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे। मृतकों में 60 वर्षीय दिनेश सिंह, 40 वर्षीय लालबाबू साह, 14 वर्षीय सुधीर कुमार, 40 वर्षीय सूरज कुमार और 60 वर्षीय रामचंद्र साह शामिल हैं। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो सूरज की थी। वह खुद ड्राइविंग कर रहा था।

जहां मां-बेटी का सम्मान नहीं वहां यज्ञ भी व्यर्थः आचार्य ममगाई

हमारे संवाददाता

देहरादून। जहां मातृशक्ति का अपमान हो वहां यज्ञ का भी कोई महत्व नहीं रहता है। हमारी संस्कृति और पुराणों में ऐसे कई उदाहरण है। सनातन धर्म में इस बात का उल्लेख अनेक जगह किया है कि जहां स्त्रियों का सम्मान किया जाता है वहां देवता वास करते हैं यह बात आज गढ़वाल सभा भवन में आयोजित शिव महापुराण कथा सुनते हुए आचार्य शिव प्रसाद ममगाई ने कहीं।

आचार्य ने कहा कि राजा दक्ष ने शिव का तिरस्कार करते हुए अपनी पुत्री सती का अपमान किया था तो दक्ष का यज्ञ भंग हो गया था और शिव ने उनका सिर धड़ से अलग कर दिया था। उन्होंने कहा कि वही सती जब शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए तपस्या कर रही थी तो उनके तप भंग करने के लिए सप्त ऋषियों को भेजा गया था। जिन्होंने सती को शिव की निंदा करते हुए समझाया था कि वह तो जंगल वासी है शिव के पास न घर है न बार, ना पहनने को कपड़े हैं लेकिन दृढ़ प्रतिज्ञारत सती ने उनसे कहा था कि तुम्हें जिसने भेजा है उसे ही मेरे पास भेजना मैं अगर पति के रूप में किसी को स्वीकार करूंगी तो सिर्फ शिव को ही स्वीकार करूंगी।

आचार्य ममगाई ने कहा कि शाश्वत संसार में शिव व सती का ही स्वरुप है। हर स्त्री सती स्वरूप है और हर पुरुष शिव स्वरूप। धर्म, प्रेम व समर्पण से संबंध और संसार चलता है जहां भी घर परिवार व समाज में, धर्म प्रेम और समर्पण है वहीं हर प्रकार का सुख भी है यही कारण है कि प्रेम, धर्म और समर्पण के प्रतीक शिव सती के गीत आज भी भारतीय विवाह समारोहो में गाए जाते हैं। इस अवसर पर लक्ष्मी बहुगुणा, सुजाता पाटनी, कमला नौटियाल, सरस्वती रतूड़ी, मंजू बडोनी, रोशनी सकलानी, सुषमा थपलियाल, चंद्रा बडोनी, नंदा तिवारी, संतोष गैरोला, लक्ष्मी गैरोला, शकुंतला नेगी आदि कई लोग उपस्थित थे।

बस की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। बस की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक की पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पित्थुवाला निवासी रंजीता यादव ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति आलोक यादव अपनी स्कूटी से सेलाकुई से देहरादून अपने निवास स्थान पर आ रहे थे कि शाम को लगभग 7 बजे की बीच मे बस के चालक द्वारा बस को तेजी व लापरवाही से चलाकर उसके पति की स्कूटी पर टक्कर मार दी थी। जिस कारण उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कर्तव्य निर्वहन में आगे दीपिका

संवाददाता

देहरादून। यातायात डयूटी के दौरान दीपिका द्वारा अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से करते देख लोग उसकी तारिफ करने पर मजबूर हो रहे हैं।

यहां जाखन जोहडी तिराहे पर यातायात डयूटी पर तैनात पीआरडी जवान दीपिका अपनी पूरी लगन व मेहनत के साथ डयूटी निभाते देखी जा रही है। आने जाने वाले लोग उसकी कर्तव्यनिष्ठा को देख उसकी तारीफ करने को अपने आप ही मजबूर हो रहे हैं। दीपिका के द्वारा बारिश, धूप की परवाह किये बगैर पूरी निष्ठा के साथ इस भीड़भाड़ वाले हाईवे पर अपनी डयूटी निभाई जा रही है और उसकी निष्ठा को देख वहां के लोग अपने आप ही उसकी प्रशंसा कर रहे हैं।

अनियंत्रित कार ने कई वाहनों को मारी टक्कर

संवाददाता

देहरादून। अनियंत्रित कार ने कई वाहनों को टक्कर मार कर क्षतिग्रस्त किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर रोड निवासी मौहम्मद नादिर ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज रात्रि 8 से 9 बजे के करीब टैक्सी ट्रैवलर का चालक तेज गति से रायपुर रोड पुल से राजेश रावत कालोनी की तरफ आया और कई वाहनों मारुति सुजुकी रिट्ज आटो रिक्शा,एक्टिवा को टक्कर मारते हुए आगे बढता गया एक बच्चे को हल्के चोटें आयी और कई लोगों के बच्चों की साईकिल व अन्य सामान भी तोडता हुआ गया। गाडी की रफ्तार इतनी तेज थी कि यदि लोग स्वयं बचाव न करते तो किसी की जान भी जा सकती थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्पा सेन्टर में काम करने वाली महिला ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

नैनीताल। स्पा सेन्टर में काम करने वाली एक महिला ने मैनेजर पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करा दिया है। महिला का आरोप है कि पहले से ही शादीशुदा मैनेजर द्वारा उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया था जिससे वह गर्भवती हो गयी है।

जानकारी के अनुसार गाजियाबाद की रहने वाली एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह नैनीताल रोड स्थित एक स्पा सेंटर में पिछले 2 साल से काम कर रही है। इस दौरान स्पा सेंटर के मैनेजर ने उसे शादी का झांसा दिया और करीब डेढ़ साल तक उसका शारीरिक शोषण किया। इससे वह गर्भवती भी हो गई। इस पर पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपित ने बताया कि वह पहले से शादीशुदा है। उसके बच्चे भी हैं। इसके अलावा उसने पीड़िता को धमकी भी दी। मामले में पुलिस ने महिला की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।